VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
05 SEP 2023
RECEIVED
M N

RECEIVED
05 SEP 2023
VISION IAS

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2085)

Name of Candidate	Ajit Singh Chedda		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	864007
Center	MN	Date	05/09/23

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **HINDI & ENGLISH.**
   इसमें बीस प्रश्न हैं **हिन्दी और अंग्रेजी** में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Is student recommended for One-to-One mentoring?

Recommended	Strongly Recommended

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

For one-to-one mentoring session on this copy, call us at 7042691891 or send an email to appointment@visionias.in

1. पाल साम्राज्य को बौद्ध कला के विशिष्ट रूप के लिए जाना जाता है। इस संदर्भ में, कला के क्षेत्र में पाल वंश के योगदानों पर चर्चा कीजिए।
The Pala Empire is known for a distinctive form of Buddhist art. In this context, discuss the contributions made by the Pala dynasty towards art. (Answer in 150 words) 10

7-8वीं शताब्दी में वर्तमान बंगाल एवं उड़ीसा में पालों का साम्राज्य विस्तृत था। ये बौद्ध धर्म में आस्था रखते थे एवं उन्हें संरक्षण एवं राजाश्रय भी देते थे।

↳ पाल, प्रतिहार एवं राष्ट्रकूटों के मध्य गंगा-यमुना घाटी पर अधिकार के संदर्भ में शक्ति-संघर्ष चलता रहा।

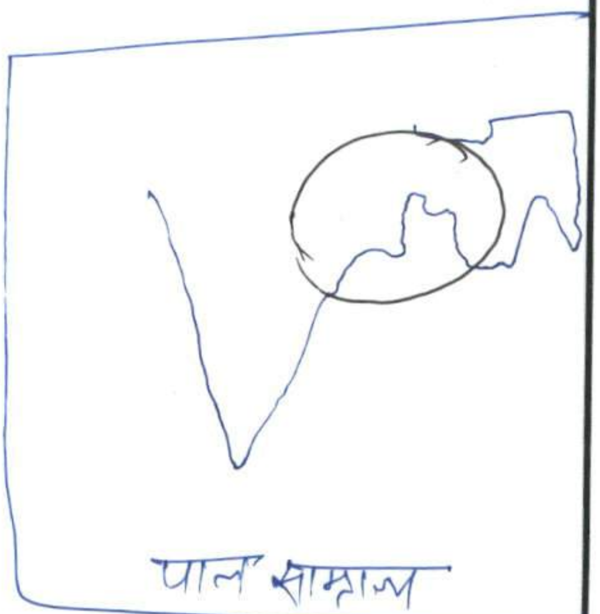

पाल एवं बौद्ध कला संरक्षण

① बौद्ध विद्वानों एवं श्रमणों को संरक्षण दिया एवं विचार-विमर्श एवं शास्त्रार्थ आयोजित करवाए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) प्राचीन काल से चले आ रहे नालंदा विश्वविद्यालय का जीर्णोद्धार करवाया
⇓
द्वारा बौद्ध दर्शन का प्रचार – { माध्यमिक शून्यवाद (नागार्जुन)
योगाचार विज्ञानवाद (असंग-वसुबंधु) }

(3) बंगाल में विक्रमशिला एवं सोमपुर विश्वविद्यालय स्थापित किए (कुमारपाल)

(4) नेपाल एवं तिब्बत से इन वि॰वि॰ में छात्र एवं विद्वान पढ़ने आते थे।

(5) पाल स्थापत्य कला → चौपाला घर्ने

(6) बौद्ध स्तूप, गुफा एवं चैत्यों के संरक्षण का प्रयास किया तथा साहित्य में बौद्ध साहित्य को संरक्षण।

बौद्धों ने न केवल बौद्ध धर्म बल्कि जैन एवं ब्राह्मण धर्म को भी संरक्षण दिया तथा आज की गंगा-जमुनी संस्कृति की आधारशिला रखी।

2. आदि शंकराचार्य ने अपनी महान क्षमता से हिंदू धर्म को पुनः स्थापित किया और उत्कृष्ट स्पष्टीकरण प्रस्तुत करते हुए वैदिक परंपरा को फिर से प्रतिष्ठित किया। चर्चा कीजिए।
It was Adi Shankaracharya's genius that reinvented Hinduism and re-established the Vedic tradition with excellent commentaries. Discuss. (Answer in 150 words) 10

आदि शंकराचार्य (8वीं सदी) (केरल) से जन्में एक वैष्णव वेदांती संत थे जिन्होंने वैदिक परंपरा का प्रसार करते हुए पूरे भारत की यात्रा की एवं चार दिशाओं में चार मठों (पीठों) की स्थापना की।

हिंदू धर्म का पुनरुत्थान

① उस समय हिंदू धर्म में रूढ़ियों, जड़तायें घर कर जाने से विकास रुक गया था।

शंकराचार्य द्वारा स्थापित पीठ

② शंकराचार्य (अद्वैत वेदांत) की धारणा को मानते थे, उन्होंने पूरे भारत में विभिन्न धर्मों एवं विद्वानों से शास्त्रार्थ करके हिंदू वैदिक परंपरा को प्रतिस्थापित किया।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ देश के चारों कोनों में 4 ज्योतिर्लिंगों की स्थापना की जो वैदिक धर्म के प्रसार को बताते है।

④ शंकर के प्रत्ययवाद (Idealism) सिद्धांत ने इसे प्रच्छन्न बौद्ध की उपाधि दी।

वैदिक परंपरा की प्रतिस्थापना

① ईश्वर भक्ति, योग इत्यादि की बजाय ज्ञान द्वारा ईश्वर प्राप्ति पर बल।

② वेदों एवं उपनिषदों की मूर्ति पूजा न करने एवं नेति-नेति सिद्धांत को प्रचारित किया।

शंकराचार्य की शिक्षाओं ने भारतीय हिंदू समाज को न केवल धार्मिक परंपरा के स्तर पर जागृत किया बल्कि रूढ़ियों से दूर करने में भी योगदान दिया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. औपनिवेशिक वन नीतियां स्थानीय लोगों के कल्याण और पर्यावरण की चिंता किए बिना ब्रिटिश साम्राज्य की जरूरतों से प्रेरित थीं। भारत के संदर्भ में चर्चा कीजिए।
The colonial forest policies were driven by the needs of the British Empire with no concern for the well-being of the locals and the environment. Discuss in the context of India. (Answer in 150 words) 10

ब्रिटिश लोगों ने वाणिज्यिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक सभी नीतियों को लागू करके अधिकतम रूप से ब्रिटिश हितों की पूर्ति के प्रयास किए।

इसी क्रम में अब तक मुख्य धारा से अलग-थलग रहे जन-जातीय समाज के जंगलों को विशाल संसाधनों की संभावना देखकर प्रवेश किया।

स्थानीय कल्याण की उपेक्षा

(1) जबरन वनों से लोगों को हटाया एवं वन (औपनिवेशिक) कानून लागू किए।

(2) क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट, 1871 द्वारा जन्मजात अपराधी का कलंक।

(3) खासी विद्रोह का कारण ही सड़क निर्माण में tribes से बेगार करवाना था।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) जनजातियों के लकड़ी काटने एवं झूम कृषि पर प्रतिबंध लगाया।

(5) रेलवे को बिछाने हेतु पेड़ काटे।

पर्यावरण की अनदेखी

(1) जंगलों की अनवरत कटाई।

(2) हिमालयी क्षेत्र में रेलवे बिछाने हेतु परंपरागत पेड़ काटकर चीड़ जैसे पेड़ लगाए

(3) जंगली जानवरों का शौकिया शिकार

- भारत से चीते गायब ही हो गए
- शेरों की संख्या में भारी गिरावट

ब्रिटिश हितों की पूर्ति

(1) बागानों द्वारा वाणिज्यिक कृषि

(2) रहने हेतु वनों में घर बनाया

(3) रेलवे बिछाकर विदेशी माल की सप्लाई एवं कच्चे माल के निर्यात का प्रयास।
(पेड़ काटना, जंगल के बीच से रेल)

आजादी पश्चात् भारत सरकार ने इन कानूनों में संशोधन करके FRA-2006, वन अधि-1980 द्वारा जनजातीय हितों एवं पर्यावरण संरक्षण को साधा।

4. पंचशील और गुटनिरपेक्षता के सिद्धांतों ने शीत युद्ध के दौर में भारत को मार्गदर्शित करने में सहायता प्रदान की। चर्चा कीजिए।
The principles of Panchsheel and Non-Alignment aided India in maneuvering the Cold War era. Discuss. (Answer in 150 words) 10

विचारधारा के स्तर पर साम्यवादी USSR एवं पूँजीवादी USA के मध्य वैचारिक युद्ध (1947–1991) को शीत युद्ध माना जाता है।

पंचशील सिद्धांत PM नेहरू ने पड़ोसियों एवं महाशक्तियों से विवाद को शांतिपूर्ण सुलझाने एवं विकास हेतु पंचशील का सिद्धांत रखा जिसके तहत →

(1) शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व
(2) अनाक्रमण
(3) एक-दूसरे की सीमाओं की अखण्डता का सम्मान
(4) संप्रभुता का सम्मान
(5) पारस्परिक सहयोग

गुटनिरपेक्षता सिद्धांत शीत युद्ध में किसी भी महाशक्ति का पक्ष न लेते हुए

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्वतंत्र विदेश नीति का पालन।

① इंडोनेशिया के बांडुंग सम्मेलन में NAM की स्थापना के दौरान PM नेहरू ने देशों से आपस में न उलझने का आह्वान।

↳ निष्क्रिय नीति की बजाय सक्रिय तरीके से राष्ट्रीय हितों को पहचाना।

भारत को लाभ

(1) दोनों महाशक्तियों से आर्थिक एवं तकनीकी लाभ

↳ अनाज (PL-480) by USA

↳ INS-चक्र (रूस से)

(2) अपनी ज़मीन का इस्तेमाल पड़ोसी वार लड़ने हेतु न लेने दिया

(3) नवउपनिवेशवाद से बचाव।

(4) संप्रभुता एवं नियम-आधारित विश्व की भारतीय संकल्पना का आज का आधार ये ही सिद्धांत थे।

5. 19वीं शताब्दी के यूरोप की प्रमुख विशेषताओं में से एक राष्ट्रीय एकीकरण के लिए संघर्ष था। जर्मनी के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

One of the major features of the 19th century Europe was the struggle for national unification. Discuss in the context of Germany. (Answer in 150 words) 10

19वीं सदी में यूरोप बाल्कनीकरण एवं राष्ट्रीय एकीकरण की दोहरी प्रवृत्तियों से जूझ रहा था।

> समान भाषा, संस्कृति या सभ्यता के आधार पर नवीन राष्ट्रों का उदय हो रहा था।

मुख्य विशेषताएँ
- → औद्योगीकरण
- → उपनिवेशवाद
- → पुनर्जागरण
- → लोकतंत्र की संकल्पना

राष्ट्रीय एकीकरण एवं जर्मनी

जर्मनी 7 राज्यों में विभक्त परंतु एक जर्मन भाषा एवं संस्कृति वाला क्षेत्र था। तत्कालीन समय में बिस्मार्क ने जर्मनी के एकीकरण का बीड़ा उठाया।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ गैरीबॉल्डी एवं ज्युत्सेपे मैजिनी ने भी इसमें सैन्य एवं विचारधारा के स्तर पर सहयोग किया।

↳ बिस्मार्क ने

- कूटनीतिक संधि
- प्रत्यक्ष युद्ध
- राष्ट्रभक्ति जगाकर
- वैचारिक एकता

के माध्यम से जर्मनी का एकीकरण किया।

↳ जर्मनी का फ्रांस के पास शेष एवं अल्सास-लॉरेंस का एकीकरण।

जर्मन राष्ट्रवाद ने ही आगे इटली के एकीकरण जैसे आंदोलनों की प्रेरणा दी एवं आधुनिक राष्ट्र-राज्य की संकल्पना को स्थापित किया।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. ट्रिपल डिप ला नीना परिघटना क्या है? विश्व के विभिन्न क्षेत्रों पर इसके संभावित प्रभाव की विवेचना कीजिए।
What is the triple dip La Niña phenomenon? Discuss its likely impact on different regions of the world. (Answer in 150 words) 10

ट्रिपल डिप ला नीना भारत के संदर्भ में लगातार तीन वर्षों तक ला-नीना की स्थितियों के बने रहने की घटना है। 2020, 2021, 2022 में यह संयोग हुआ है।

ला नीना दक्षिण-पूर्वी प्रशांत महासागर (अपेक्षाकृत ठंडी दशाएँ) एवं पश्चिमी-दक्षिणी प्रशांत महासागर एवं हिंद महा० (अपेक्षाकृत गर्म) के मध्य जलधारा का संचरण है। इससे दोनों क्षेत्रों पर इधर-

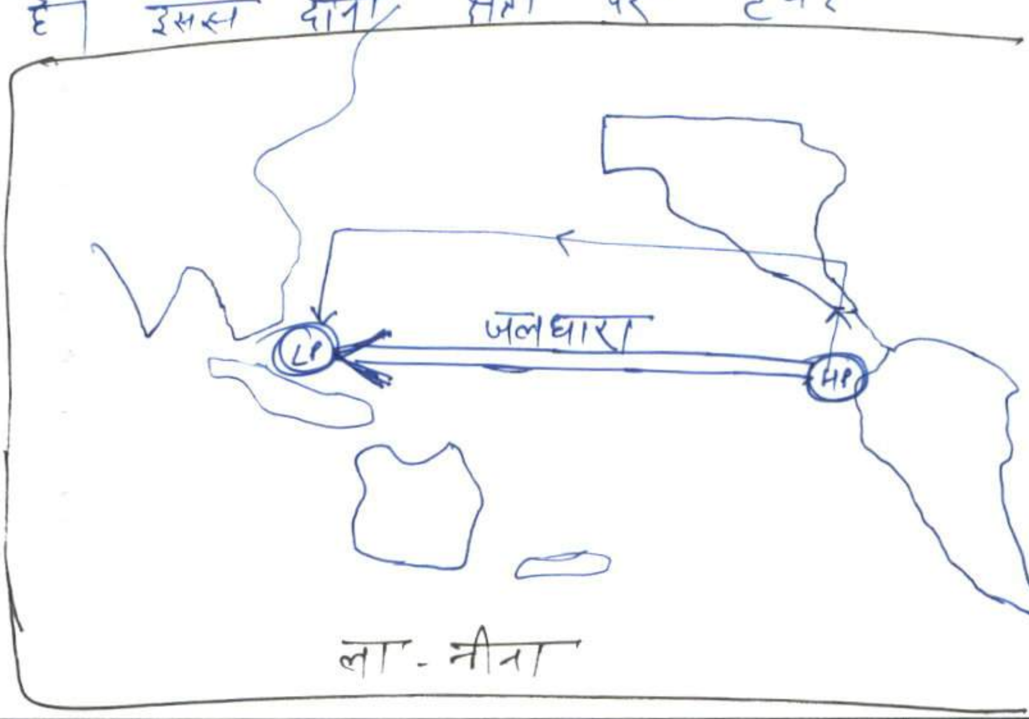

ला-नीना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रभाव सृजित होते हैं।

हिंद महासागर एवं दक्षिण-पूर्व एशिया तथा आस्ट्रेलिया

→ मजबूत मानसून के कारण अधिक वर्षा
→ बाढ़ की दशाएँ (भारत, आस्ट्रेलिया)
→ कृषि एवं पारितंत्र के अनुकूल प्रभाव
→ आपदाओं की आवृत्ति की संभावना परंतु सूखे ↓

उत्तरी दक्षिण अमेरिका

→ सामान्य से कम वर्षा, सूखा-अकाल
→ ठण्डा जल
→ मछलियों की मरने की घटनाएँ
→ कृषि एवं जैव-विविधता पर विपरीत प्रभाव

डीप
द्विपल ला नीना एक कृत्रिम घटना है जिसके विश्व पर मिश्रित प्रभाव सृजित होते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. जलविद्युत दुनिया भर में निम्न कार्बन उत्सर्जन वाली ऊर्जा आपूर्ति का एक प्रमुख स्रोत है, लेकिन भारत के कुल इलेक्ट्रिसिटी मिक्स में इसकी हिस्सेदारी बहुत कम बनी हुई है। चर्चा कीजिए।
Hydropower is a major source of low-carbon energy supply across the world but its share in India's total electricity generation remains low. Discuss. (Answer in 150 words) 10

वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन के शमन हेतु विद्युत निर्माण के नवीकरणीय स्रोत के रूप में सौर, पवन ऊर्जा के साथ जलविद्युत को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

↳ जल विद्युत द्वारा भारत में ऊर्जा उत्पादन <10% ही है जो कि वैश्विक औसत से अत्यधिक कम है।

<u>निम्न कार्बन वाली ऊर्जा एवं जल-विद्युत</u>

(1) ऊर्जा के रूप में विशाल क्षमता

(2) विद्युत निर्माण एवं इसकी आवश्यकता हेतु कम लागत

(3) गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में सरल तरीके से विद्युत मोटर द्वारा निर्माण

(4) भारत में 7500 km. लंबी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कोस्टलाइन एवं विशाल नदियों की संख्या।

(5) स्मॉल एवं बिग हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के रूप में आवश्यकतानुसार विद्युत निर्माण

निम्न विद्युत हिस्सेदारी के कारण

(1) पर्यावरणीय चिंताओं के कारण विरोध → नर्मदा बचाओ
→ हिमालयी क्षेत्र

(2) नदी जल के ऊपर से नीचे की ओर बहाव की अनिवार्यता

(3) जल को रोकने हेतु भूमि अधिग्रहण
→ इलाका डूब जायेगा
→ पुनर्स्थापन के मुद्दे

(4) महंगे उपकरण एवं आयात हेतु चीन पर निर्भरता

(5) सौर एवं पवन ऊर्जा से प्रतिस्पर्धा

(6) ट्रांसमिशन ऊर्जा हानि

वाटरशेड प्रबंधन करते हुए जलविद्युत निर्माण करके नेटज़ीरो कार्बन का लक्ष्य (2070) पाने में सहायता मिल सकती है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. हाल ही में तुर्किये में आए भूकंप के संदर्भ में, सिस्मिक गैप की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। साथ ही, भूकंप की तीव्रता के लिए उत्तरदायी कारणों को भी सूचीबद्ध कीजिए।
Explain the concept of seismic gap in the context of the recent earthquake in Turkey. Also, enlist the reasons behind the severity of the earthquake. (Answer in 150 words) 10

सिस्मिक गैप – टैक्टॉनिक प्लेट की दृष्टि से सक्रिय ऐसे क्षेत्र होते है जिनमें दीर्घकाल से कोई भूकंपीय घटना देखने को नहीं मिली है परंतु संभावना बनी रहती है। उदा. के लिए एनातोलिया प्रायद्वीप (तुर्की)

↳ भारत में भी हिमालयी क्षेत्र में अनेक सिस्मिक गैप है जो भावी भूकंप के कारण बन सकते है।

↳ कीमा क्षेत्र, मालदा क्षेत्र एवं गुजरात के कच्छ का रन भी इसके उदाहरण है।

तुर्की में भूकंप → तुर्की-सीरिया सीमा के क्षेत्र में सिस्मिक गैप था जहाँ पिछले 200 वर्षों से कोई भूकंप नहीं आया था, इस कारण कोई

- अर्ली वार्निंग संकेत नहीं
- अवसंरचना निर्माण भूकंपरोधी नहीं
- विशाल भवनों का निर्माण
- विकास की तीव्रता

इन सभी सम्मिलित परिणामों ने भूकंप की संभावनाओं को बढ़ा दिया जिससे भूकंप आने पर विशाल मात्रा में जन एवं माल की हानि हुई।

अन्य कारण → जलवायु परिवर्तन
→ जल निकास की प्रणाली असतत

तुर्की में आए भूकंप से सीख लेना हमें भी →

(1) सिस्मिक जोनों की मैपिंग
(2) अर्ली वार्निंग सिस्टम
(3) भवन निर्माण कोड दिशा-निर्देश
(4) स्थानीय, जिला, एवं राज्य के स्तर पर जागरूकता पैदा की जाये ताकि आपदा के प्रभाव न्यूनतम हो।

9. भारत में विवाहों की हालिया प्रवृतियों पर प्रकाश डालते हुए, व्याख्या कीजिए कि समलैंगिक विवाह के कानूनी समर्थन को मौलिक महत्व का मुद्दा क्यों कहा जा रहा है।
Highlighting the recent trends in marriages in India, explain why the legal backing of same-sex marriage is being termed as an issue of seminal importance. (Answer in 150 words) 10

भारत में विवाह को एक पवित्र संस्था माना जाता है जिसमें पुरुष एवं स्त्री के संगम को सामाजिक ~~साथ~~ मान्यता प्राप्त है।

⇒ पारंपरिक रूप से [अरेंज मैरिज] जहाँ माता-पिता की सहमति से शादी।
↳ अरेंज कम मैरिज के तहत दोनों पक्षों की सहमति।

[विवाहों की हालिया प्रवृत्तियाँ]

1. प्रेम विवाह (जहाँ दोनों व्यक्तियों की सहमति से शादी)
2. Live-in relationship
3. स्वयं से विवाह (गुजरात का उदाहरण)

<u>विवाह की नवीन धारणा</u>

1. पवित्रता की बजाय अब विवाह को 2 लोगों के बीच <u>सहमति अनुबंध</u>

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

माना जाता है

(2) श्रम विभाजन की प्राचीन कल्पना की बजाय अब दोनों पक्षों द्वारा काम की संकल्पना

(3) विवाह पश्चात् एकल परिवार

(4) महिलाओं के निर्णय → लोकतांत्रीकरण

समलैंगिक विवाह एवं कानूनी समर्थन

↳ SC द्वारा जौहर वाद में 377 (IPC) को गैर-आपराधिक घोषित करना इस संबंध में शुरुआत थी।

↳ USA, UK की तर्ज में HC एवं SC द्वारा सरकार से समलैंगिक विवाह की स्वीकृति पर राय माँगी है।

मौलिक महत्व
→ प्राचीन विपरीत लिंगी के बीच विवाह से इतर
→ समलैंगिकों के अधिकारों की न्यायिक सहमति
→ नैतिक मामले

समलैंगिक लोगों को भी एक विकसित समाज में सभी मौलिक अधिकार मिलने चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. परस्पर संबद्ध विश्व में मानसिक कल्याण को प्रभावित करने वाले कारकों की बहुलता को ध्यान में रखते हुए, बेहतर मानसिक स्वास्थ्य देखभाल प्राप्त करने में आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

Considering the multiplicity of factors affecting the mental well-being in an inter-connected world, discuss the various challenges in achieving sound mental healthcare. (Answer in 150 words) 10

भारत में एक रिपोर्ट के अनुसार 1.30 लाख आत्महत्या के पीछे का कारण मानसिक तनाव एवं डिप्रेशन रहा। मानसिक स्वास्थ्य को वर्तमान में शारीरिक स्वास्थ्य की तरह ही पर्याप्त महत्व दिया जा रहा है।

मानसिक कल्याण को प्रभावित करने वाले कारक

1. LPG जन्य विकास के कारण उत्पन्न तनाव
2. गलाकाट - प्रतिस्पर्धा
3. संबंधों में तनाव
4. शहरी जीवन में लोगों के पास स्वयं के लिए समय नहीं
5. महत्वाकांक्षाओं का बोझ
   - → स्वयं
   - → परिवार
   - → समाज

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(6) बेरोजगारी, गरीबी, महँगाई जैसे मुद्दे
(7) विकास कार्यों के कारण → जबरन विस्थापन
(8) शहरीकरण के दौरान।

चुनौतियाँ

(1) मानसिक स्वास्थ्य जैसी कोई संकल्पना समाज में स्वीकृत नहीं।
(2) शिक्षा पाठ्यक्रम एवं परिवार-वालों को जानकारी के अभाव में पता न चलना
(3) व्यक्ति द्वारा परिजनों एवं डॉक्टरों के समक्ष मानसिक तनाव की स्वीकृति नहीं।
(4) स्वास्थ्य खर्च का बहुत ही थोड़ा प्रतिशत मानसिक चिकित्सा पर

सरकारी कदम

(1) मनोदर्पण स्कीम
(2) जनजागरूकता → TV, → Social media
(3) पुनर्वास केंद्र

वर्तमान में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य की बेहतरी से SDG-3 (good health & well being) की हासिल संभव।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक भारत में प्रमुख मुद्राशास्त्र चरणों का सविस्तार वर्णन कीजिए। साथ ही, चर्चा कीजिए कि सिक्कों का अध्ययन किस प्रकार इतिहास को समझने में मदद करता है।

Elaborate upon the major numismatic stages in India from the ancient to modern times. Also, discuss how the study of coins helps in understanding history. (Answer in 250 words) 15

मुद्राशास्त्र का आशय

विभिन्न कालों एवं साम्राज्यों के स्तर पर सिक्कों एवं मुद्राओं का परीक्षण करके तत्कालीन समाज, अर्थव्यवस्था, संस्कृति etc. के बारे में जानकारी प्राप्त करना।

मुद्राशास्त्र के चरण

① हड़प्पा काल में मुहरें (मुद्रा नहीं)
- ताबीज
- धार्मिक महत्व

② बौद्ध काल में मौर्यों के समय पहली बार मुद्रा के संकेत
- विभिन्न स्थानों से अशोक के सिक्कों के साक्ष्य

③ पश्चिम एशिया एवं ग्रीक आक्रांताओं द्वारा पहली बार शुद्ध सिक्के

④ कुषाणों द्वारा सोने के सिक्के

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) सातवाहनों द्वारा पोटिन के सिक्के।

(6) गुप्तों द्वारा विशाल संख्या में सिक्के।

(7) भाग के कालों में सिक्कों की संख्या कम होती गई।

मध्यकाल में
- → गौरी द्वारा सिक्के
- → टंका एवं जीतल के सिक्कों पर खलीफा से स्वीकृति
- → मुगलकाल में सिक्के

- जीतल
- ताँबा सिक्का (डिजिटल)

आधुनिक समय
- → ब्रिटिश द्वारा जारी लोहे एवं काँसे सिक्के
- → नोट

इतिहास अध्ययन

(1) ग्रीक-यूनानियों द्वारा सोने के सिक्के चलाना → समृद्धि का संकेत

(2) कुषाणों द्वारा सिल्क रूट से लाभार्जन
↓
सोने के सिक्के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ समुद्रगुप्त → सिक्के पर वीणा बजाते हुए
⇓
संगीत में रुचि

④ मौर्योत्तर सिक्कों पर जहाज के चित्र
समुद्री यात्रा एवं व्यापार का प्रतीक

⑤ गुप्त काल में विशाल सिक्कों की संख्या इसके स्वर्णकाल होने की पुष्टि करती है।

⑥ युद्ध संबंधी जानकारी → हर्षवर्धन को हराने के पश्चात् पुलकेशिन-II का चित्र भी मुद्रा पर मिलता है।

⑦ धार्मिक जानकारी → देवी-देवताओं के चित्र

⑧ मध्यकाल में मुहम्मद बिन तुगलक द्वारा काँसे के सिक्के चलाया → आर्थिक कमजोरी का प्रतीक

⑨ मुगलकाल में सिक्कों में चाँदी की शुद्धता प्रशासन एवं कानून की स्थिति बताता है।

सिक्काशास्त्र प्रत्येक काल में समाज की रुचि एवं प्रवृत्ति का संकेत के पुरातात्विक स्रोत रहे हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. दलित अधिकारों के समर्थक के रूप में प्रसिद्ध होने के बावजूद, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का योगदान इससे कहीं अधिक है और इसमें कई अन्य विषय भी शामिल हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए।
Despite being celebrated as the champion of Dalit rights, the contributions of Dr. B.R. Ambedkar went far beyond that and encompassed a wide range of issues. Elaborate. (Answer in 250 words) 15

आजादी के आंदोलन में Dr. BR अंबेडकर ने दलितों के मुद्दों को भी जोड़कर उनके सामाजिक, शैक्ष. एवं आर्थिक उत्थान का प्रयास किया।

भीमराव अंबेडकर का दलित अधिकारों में योगदान

① भीमराव अंबेडकर ने दलितों की निम्न सामाजिक व्यवस्था का कारण वर्ण व्यवस्था एवं मनुस्मृति जैसे धर्मग्रंथों में ढूंढा।

② अंबेडकर ने ब्रिटिश सरकार के सहयोग से समान अधिकारों को लागू करवाने के प्रयास किए। e.g. महाड सत्याग्रह द्वारा कुँओं से पानी पीने हेतु आंदोलन।

सामाजिक उत्थान → वर्ण-व्यवस्था के विरुद्ध तर्क देकर खारिज किया
⇓
विरोध स्वरूप जलायी भी
→ अस्पृश्यता विरोधी आंदोलन चलाए।
→ महात्मा गांधी के साथ जाति व्यवस्था एवं वर्ण-व्यवस्था पर बहस।
→ मंदिरों में प्रवेश द्वारा समान अधिकार प्राप्ति
→ मद्यत्याग करके लोगों से संयमित जीवन जीने का आह्वान

शैक्षणिक प्रयास → एजुकेट - एजिटेट एवं ऑर्गेनाइज का नारा दिया।
→ सरकार से छात्रवृत्ति देने की विनती।

राजनीतिक अधिकार → कम्युनल अवार्ड की दलितों को पृथक निर्वाचन मंडल देने की घोषणा को सहमति
→ पूना पैक्ट में दलितों हेतु संयुक्त निर्वाचन मण्डल में सीटों के आरक्षण हेतु स्वीकृति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ स्वतंत्रता पश्चात् पृथक् पार्टी
↳ हिंदू कोड बिल पास न करने के समर्थन में इस्तीफा

संविधान में समानता के प्रावधान
- 14,15,16 द्वारा स्वतंत्रता
- art.18 = छुआछूत की समाप्ति

↳ कॉमन जलाशयों का प्रयोग करने की सहमति

लेखन
- Annihilation of Caste
- Who are untouchables

किताबों द्वारा दलित मुद्दे उठाए।

डॉ. अम्बेडकर ने दलितों के उत्थान हेतु बहुआयामी प्रयास किए तथा अंत में दलितों के साथ अत्याचार को देखते हुए बौद्ध धर्म अपनाने (1956) की घोषणा की।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. 1930-34 के सविनय अवज्ञा आंदोलन को एक अद्वितीय विशेषता, क्षेत्रीय स्थानिक पैटर्न और लामबंदी के नए तरीकों को शामिल करने के लिए जाना जाता है। स्पष्ट कीजिए।
The Civil Disobedience Movement of 1930-34 was marked by a unique character, regional spatial patterns and employment of new mobilization techniques. Elucidate. (Answer in 250 words) 15

कांग्रेस के नेतृत्व के रूप में महात्मा गाँधी ने 14 सूत्री माँगों का एक प्रपोजल ब्रिटिश सरकार को सौंपा एवं सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी।

1930 में ब्रिटिश सरकार के निष्क्रिय रवैये को देखते हुए कांग्रेस ने अखिल भारतीय स्तर पर सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू करने की घोषणा की।

क्षेत्रीय स्थानिक पैटर्न

(1) पश्चिमोत्तर में सीमांत गाँधी खान अब्दुल गफ्फार ने आंदोलन का नेतृत्व किया एवं रेड शर्ट्स रूप में विख्यात अनुयायियों के साथ आंदोलन में भाग लिया। उन्होंने आंदोलन में अहिंसा बनाए रखी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) बंगाल में सूर्यकुमार सेन के नेतृत्व में समानांतर सरकार बनी तथा बंगाल शस्त्रागार पर हमला करके शस्त्र लूटे।

(3) उड़ीसा में गोपालराम बंधु के नेतृत्व में आंदोलन शुरू हुआ

(4) बिहार में स्थानीय नेताओं (राजेंद्र प्रसाद etc) द्वारा नेतृत्व। साथ ही किसानों ने चौकीदारी कर से इनकार किया।

(5) गुजरात के दांडी मार्च के दौरान गांधीजी के नेतृत्व में नमक कानून तोड़ा गया।

(6) झारखण्ड जैसे क्षेत्रों में वन कानूनों का उल्लंघन करके विरोध प्रदर्शित किया गया।

(7) बंगाल ही में बाबू सुभाषचंद्र बोस ने आंदोलन का नेतृत्व किया।

लामबंदी के नए तरीके

(1) महिलाओं द्वारा शराब की दुकानों

की पिकेटिंग की गई।

(2) विदेशी वस्त्रों की होली जलाकर स्वदेशी एवं चरखे को अपनाया।

(3) गांधी के नेतृत्व में खुला ऐलान कर कानून तोड़ने के प्रयास (दांडी मार्च के दौरान)

(4) जमींदारी कर से इनकार, वन कानूनों का उल्लंघन, शांतिपूर्ण विरोध एवं विदेशी संस्थानों का बहिष्कार ही ऐसे नवीन लामबंदी के तरीके थे।

सविनय अवज्ञा आंदोलन ने स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान पूरे भारत को एकीकृत कर ब्रिटिश के खिलाफ एकजुट किया तथा आगे चलकर भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान खुला विरोध की तकनीक अपनाई।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. भारत के तटीय क्षेत्रों में द्वीपों के डूबने की परिघटना के लिए उत्तरदायी कारणों की व्याख्या कीजिए। साथ ही, संपूर्ण राष्ट्र और विशेष रूप से द्वीपीय समुदाय के लिए इसके संभावित प्रभावों का मूल्यांकन कीजिए।
Explain the underlying causes behind the phenomenon of sinking islands in India's coastal regions. Also, evaluate its possible implications for the nation as a whole and island communities in particular. (Answer in 250 words) 15

विभिन्न प्राकृतिक एवं मानवजनित कारणों से हाल ही में केरल के निकट द्वीपों के डूबने की घटना देखी गई।

उत्तरदायी कारण

(1) जलवायु परिवर्तन के कारण पिछले दशक में समुद्र का स्तर 4.5 mm. बढ़ा है।

(2) प्राकृतिक कारकों के रूप में भूकंप, बाढ़ या सुनामी जैसे कारक भी द्वीपों के डूबने का कारण बन सकते हैं।

(3) असतत विकास एवं नदी-मार्ग में व्यवधान।

(4) असतत पर्यटन, मानवीय गतिविधियाँ,

इत्यादि भी कारण।

प्रभाव

(1) पर्यावरणीय

→ प्रवाल भित्तियों का मरण (dead zone)
- coral bleaching

→ जैव-विविधता नष्ट होना

→ द्वीप के डूबने से पूरा पारितंत्र ही नष्ट

→ प्राणियों, जीवों एवं मरीन जीवों का मरना

(2) आर्थिक

→ संभावित पर्यटन के क्षेत्र नष्ट

→ भारत के EEZ में कमी

→ ऐसे द्वीपों पर अनुसंधान की संभावनाएँ

→ अवसंरचना एवं संसाधनों का नष्ट होना

→ समुद्री खाद्य उत्पादन एवं अनाज के संभावित क्षेत्रों का डूबना

→ मछुआरों की आजीविका → संकट

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ सामाजिक प्रभाव

- समुदायों का विस्थापन, बेघर होना
- संस्कृति एवं परंपराओं का नष्ट होना

④ द्वीपों के डूबने से भौगोलिक क्षेत्र में कमी आती जाएगी जिससे अन्य भूमि पर दबाव बढ़ेगा।

15. भारत में संधारणीय पर्यटन के संबंध में क्षेत्र-विशिष्ट बाधाओं का एक समालोचनात्मक विवरण दीजिए।
Give a critical account of region-specific constraints with regard to sustainable tourism in India. (Answer in 250 words) 15

वर्ष 2022 में पर्यटन का भारतीय अर्थव्यवस्था में 7% एवं कुल रोजगार में 8% भागीदारी रही।

पर्यटन में एक राज्य या देश के लोग मनोरंजन, वैज्ञानिक अनुसंधान, संस्कृति जानने के कारणों से यात्रा करते है।

संधारणीय पर्यटन → पर्यटन स्थल की पारिस्थितिकी एवं जैव-विविधता को नुकसान न पहुँचाते हुए मानवीय गतिविधियों का संचालन करना।

क्षेत्र विशिष्ट बाधाएँ

हिमालयन क्षेत्र

(1) पर्यटन हेतु अवसंरचना निर्माण के क्रम में पहाड़ों का कटाव
(2) लोगो द्वारा पहाड़ों पर कचरा डालने से लद्दाख में कचरे के

2085
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

फैलाने से पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव

(3) जोशीमठ धँसाव हेतु महेश चंद्रा समिति ने एक कारण असतत् पर्यटन भी माना

(4) हिमालय पर चढ़ने जैसी गतिविधि के क्रम में मनुष्य द्वारा इस्तेमाल प्लास्टिक चम्मच, कप, थैलियों की उपलब्धता हिमालय के शिखर तक भी।

(5) हिमालयी क्षेत्र के जीवों पर -ve प्रभाव।

पश्चिमी घाट

(1) असतत् पर्यटन से लोग वन्य प्राणियों के क्षेत्रों में चले जाते हैं

⇓

मानव- वन्यजीव संघर्ष

→ 1850 लोगों की मृत्यु (10 वर्ष)
  → हाथी द्वारा
→ 125 लोगों की बाघों द्वारा मृत्यु

(2) पश्चिमी घाट में अत्यधिक मानवीय गतिविधि के कारण आपदा की बारंबारता बढ़ी है। e.g. केरल की बाढ़

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

मरुस्थली क्षेत्र

(1) सुरक्षा संकट (border areas)
(2) कमजोर जनसंख्या एवं जागरूकता।
(3) असहनीय भौगोलिक दशाएँ

छोटे स्तर पर निम्न मुख्य सामान्य बाधाएँ दृष्टव्य है →

① पर्यटकों के साथ चोरी, रेप etc.
② खराब इंफ्रा०
③ पर्यटन हेतु इच्छा ↓

संधारणीय पर्यटन हेतु सरकार की स्कीम्स
→ हृदय
→ अमृत
→ Adopt a heritage
→ देखो अपना देश

संधारणीय पर्यटन द्वारा ही आर्थिक लाभ एवं पर्यावरण संरक्षण के मध्य संतुलन साधा जा सकता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. पारिस्थितिक तंत्र के लिए मृदा द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए, भारत में संधारणीय मृदा प्रबंधन के महत्व पर चर्चा कीजिए।
In view of the important role played by soil for the ecosystem, discuss the significance of sustainable soil management in India. (Answer in 250 words) 15

मृदा पृथ्वी के ऊपर की उपरी परत है जिस पर जीवों के लिए आवश्यक सभी क्रियाएँ संपन्न होती है। मृदा न केवल हमारे लिए संसाधन है बल्कि जीवन का आधार भी है।

पारितंत्र में मृदा की भूमिका

① पौधों के उगने हेतु दशाएँ
→ पौधों द्वारा O_2 सर्जन एवं CO_2 सृजन द्वारा पृथ्वी पर जीवन संभव है।

② कृषि हेतु
→ भारत में 64 प्रकार की मृदाएँ है जिन पर खाद्य, वाणिज्यिक, इत्यादि विविध प्रकार की फसलें उगाई जाती है।

(3) मनुष्य के रहने हेतु आवास।

(4) मृदा में घुले खनिज लवणों की पौधों एवं मनुष्यों द्वारा प्राप्ति।

(5) मृदा के द्वारा ही नमी बनाकर रखने से पीने हेतु भूजल एवं तालाब, झरने, नदी द्वारा पानी की प्राप्ति।

(6) मृदा पर विभिन्न जीवाणुओं का जीवन चक्र सम्पन्न होता है।

(7) जैविक अनुक्रमण (Biotic Succession) की प्रक्रिया में नए पारितंत्रों का आधार बनती है।

भारत में संधारणीय मृदा प्रबंधन की आवश्यकता

(1) बढ़ते मरुस्थलीकरण के कारण (29% भूमि पर)

(2) भूमि निम्नीकरण को रोकने हेतु

(3) आपदाओं से बचाव हेतु।

(4) पारिस्थितिकीय संतुलन बनाए रखना

(5) उद्योगों द्वारा आर्थिक विकास।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उठाये गए कदम

1. CAMPA द्वारा वनीकरण।
2. NAFCCC के तहत 7 मिशनों का कोंद्रित लक्ष्य मृदा के साथ पारितंत्र संरक्षण
3. MMDR Act, 2015 के तहत रेत को गौण खनिज घोषित करना।
4. वाटरशेड कार्यक्रम तथा पारितंत्र के अनुकूल आर्थिक विकास पर बल।
5. किसानों हेतु Soil Health Card
6. CRZ-2016 के नियम
7. NM on sustainable agri तथा कृषि में जैविक एवं प्राकृतिक कृषि को प्रोत्साहन।

मृदा के संरक्षण से ही मानवीय विकास का रास्ता खुलता है। सतत् एवं समावेशी विकास हेतु यह पूर्व शर्त भी है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. जेट धाराएं भारत और विश्व की जलवायु को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।
Jet streams play an important role in altering the climate of India and the world. Discuss with examples. (Answer in 250 words) 15

जेट धाराएँ उपरी क्षोभमण्डल एवं निम्न समतापमण्डल में हवाओं के समूह के रूप में सतत रूप से पूर्व से पश्चिम दिशा में बहने वाली भू-विक्षेपी पवने होती है।

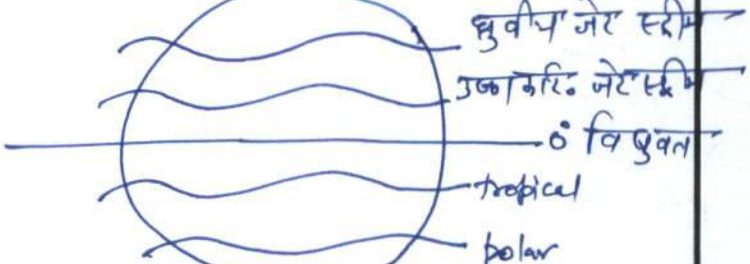

पृथ्वी पर जेट स्ट्रीम्स

जेट धाराओं का प्रभाव

भारत पर

(1) वर्षा ऋतु के दौरान उष्णकटिबंधीय चक्रवातों को भारत की मुख्य भूमि पर लाती है जिससे भारत में मानसून की निरंतरता बनी रहती है एवं वर्षा सामान्य बनी रहती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) जेट स्ट्रीम के कारण ही वायुयानों एवं हवाई जहाजों के लैंडिंग में दिक्कत आती है।

(3) समतापमण्डल के निचले क्षेत्र में बहने वाली जेट स्ट्रीम ऋतु एवं मौसम पर भी प्रभाव डालती है।

वैश्विक जलवायु पर प्रभाव

(1) उत्तरी आर्कटिक क्षेत्र में ध्रुवीय जेट स्ट्रीम एवं पोलर स्ट्रेटोस्फेरिक क्लाउड के कारण ओजोन क्षरण की दशाएँ बनती है।

(2) कनाडा एवं अमेरिका में आने वाले polar vortex में योगदान।

(3) जेट स्ट्रीम दबाव सेल के अनुरूप काम करती है।

(4) ताप वितरण में योगदान।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

जैट स्ट्रीम वायुमण्डलीय एवं जलवायविक कारकों पर व्यापक प्रभाव डालती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. भारत में मलिन बस्तियों के निर्माण और इसके प्रसार के लिए उत्तरदायी कारकों पर प्रकाश डालते हुए, प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत इन-सीटू स्लम पुनर्विकास योजना में सुधार की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए।

Highlighting the factors responsible for the formation and proliferation of slums in India, discuss the need to revamp the In-Situ Slum Redevelopment (ISSR) scheme under the Pradhan Mantri Awas Yojana (Urban). (Answer in 250 words) 15

2011 की जनगणना के अनुसार भारतीय शहरों की 17% आबादी मलीन बस्ती में निवास करती है।

निर्माण के उत्तरदायी कारक

1. तीव्र शहरीकरण
2. आवासीय क्षेत्रों की शहरों में कमी
3. गरीबों के शहर की ओर पलायन करने से गरीबी मलीन बस्ती की समस्या उग्रतर होती है।
4. अनियोजित एवं अनियंत्रित शहरीकरण eg. दिल्ली एवं मुंबई शहर,
5. शहर में बेरोजगारी, अल्प आय एवं महँगाई।
6. सरकारी भूमि का अतिक्रमण रोकने में सरकार एवं प्रशासन की सीमाएँ।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ वोट बैंक्स पॉलिटिक्स

बने रहने के कारण

1. अति उच्च महँगाई
   ⇓
   लगातार कम क्रय क्षमता → शहरी बस्ती
2. सामाजिक सुरक्षा का अभाव
3. उच्च out of pocket exp. ↑
   ⇓
   बचत ↓
4. मूलभूत सुविधाओं का न पहुँचना
   - जल (पेय)
   - जल-निकास प्रणाली
5. PDS में भ्रष्टाचार एवं विपथगमन
6. निम्न जातियों का गरीबीकरण

PMAY के तहत इन सीटू पुनर्विकास योजना में सुधार की आवश्यकता

PMAY
- → प्रत्येक व्यक्ति को Right to Habitat
- → पक्का मकान
- → शहर में किफायती आवास
- → बेघा ↓ (वर्तमान ¹¹/ किला)

↳ इस योजना के तहत इन-सीटू (उसी स्थान पर) विभिन्न मूलभूत सुविधाएँ देकर, स्वास्थ्य दशाएँ सुधारकर उन्हें रहने लायक बनाया।

समस्या
- → अतिक्रमण भूमि
- → खराब स्वास्थ्य एवं जीवन की दशाएँ
- → खराब गवर्नेंस

<u>Way Ahead</u>

(1) इन-सीटू स्थान पर ही पुनर्वास की योजना में सस्टेनेबल आवास का ध्यान रखा जाये

(2) शहर के बाहरी स्वास्थ्यवर्धक हिस्सों में बसाये।

(3) लोगों को skill देकर रोजगार के साधन किए जाए।

मलीन बस्ती शहर पर बोझ के साथ नागरिकों के स्वस्थ जीवन के अधिकार का उल्लंघन भी है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. भारत में निर्धनता और पर्यावरण क्षरण के बीच संबंध पर प्रकाश डालिए। निर्धनता में कमी करने से संबंधित प्रयास किस प्रकार संधारणीय विकास को बढ़ावा देने और पर्यावरण की सुरक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं?

Bring out the relationship between poverty and environmental degradation in India. How can poverty reduction efforts play an important role in promoting sustainable development and safeguarding the environment? (Answer in 250 words) 15

भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार 21.6% गरीब जनसंख्या।

↳ Oxford Univ. + OPHI के बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार भारत की 27% (38 करोड़) जनसंख्या गरीब है।

निर्धनता & पर्यावरण क्षरण

① गरीब व्यक्ति ऊर्जा आवश्यकता हेतु वनों की कटाई।

② कृषि → झूम कृषि

③ निर्धनता के कारण
- → मछलियों की असतत् कृषि
- → उच्च प्रदूषण वाले ऊर्जा संसाधनों का प्रयोग
- → नदियों में सफाई → प्रदूषण

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ नदी में नालों का पानी

पर्यावरण संरक्षण के अभाव → गरीबी

① गंदे जल से रोग ↑
⇓
स्वास्थ्य व्यय ↑
↓
गरीबी ↑

② कृषि में जल की कमी → उत्पादन ↓

संधारणीय विकास & पर्यावरण संरक्षण साथ-2

① वाटरशेड कार्यक्रम

② प्रकृति आधारित समाधान

③ Life मिशन

④ प्रबंधित वनों की कटाई

⑤ स्वच्छ पर्यावरण द्वारा अच्छी स्वास्थ्य दशाएं

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत सरकार द्वारा संधारणीय विकास एवं पर्यावरण संरक्षण के मध्य संतुलन बनाना समय की मांग।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. वैश्वीकरण और धर्म के बीच का संबंध जटिल रहा है, साथ ही दोनों के बीच की अंतःक्रिया के परिणामस्वरूप नई संभावनाएं और चुनौतियां उभर रही हैं। चर्चा कीजिए।
The relationship between globalisation and religion has been a complex one with new possibilities and challenges emerging as a result of the interaction between the two. Discuss. (Answer in 250 words) 15

वैश्वीकरण के कारण संसाधनों का मुक्त स्थानांतरण हुआ है। इससे विचारों का आदान-प्रदान भी बढ़ा है।

वैश्वीकरण से धर्म पर प्रभाव

① धर्म में लचीलापन
⇓
Cosmopolitan शहर
e.g. दुबई।

② धार्मिक पहचान के प्रति आग्रह में कमी
↓
भौतिकता का विचार केंद्र में

③ प्रगतिशील विचार अपनाना एवं रूढ़ियों को छोड़ना
e.g. तीन तलाक पर बैन।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चुनौतियाँ

1. धार्मिक कट्टरता ↑
e.g. ISIS, तालिबान
2. पहचान के संकट के कारण हिंसा ↑
e.g. बुर्के पर बैन से फ्रांस में हमले।
3. फंडिंग के स्रोत बढ़ने से धार्मिक आतंकवाद ↑

संभावनाएँ

1. सहिष्णु Global Village
2. सभी धर्मों को मिलाकर
⇓
सामान्य सहमति से धर्म निर्माण
3. आध्यात्मिकता एवं भौतिकता का संयोजन।
4. धर्मों के बारे में जानने से लोगों को नए जीवन जीने के

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

तरीके मिलेंगे।

↳ धर्म में प्रगतिशीलता से ही वर्तमान युग में धार्मिक टकराव टाले जा सकते हैं।

धर्म का संबंध व्यक्तिगत होना चाहिए एवं सहिष्णुता का तत्व आज के युग हेतु अत्यावश्यक है।